विद्याभवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय-हिंदी व्याकरण ***दिनांक-01/07/2020***
वर्ग-पंचम ***विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी***
पाठ-7 कारक (case)

सुप्रभात बच्चों,
पिछली कक्षा में आपने कहानी पढ़ा। हमें पूर्ण विश्वास है की आपको जो अध्ययन-सामग्री दी जाती है उसे आप पूरे मनोयोग से पढ़ते होंगे। आज की कक्षा में आपको कारक के भेद के बारे में जानना है। जो कि इस प्रकार है। :—

करण कारक:—
जिन साधन से काम किया जाए, उसे करण कारक कहते हैं,
जैसे:— परिधि पेंसिल से लिखती है।
सैनिक बंदूक़ से लड़ते हैं।
करण कारक का परसर्ग 'से' है।

संप्रदान कारक :—
जिसके लिए काम किया जाए, उसे संप्रदान कारक कहते हैं,
जैसे:— नहा ने भाई को राखी बाँधी।
मीना बिल्ली के लिए दूध लेकर आयी।
संप्रदान कारक के परसर्ग 'को' और 'के लिए' हैं।

अपादान कारक:—
जिससे किसी वस्तु, व्यक्ति या स्थान का एक-दूसरे से अलग करने या होने का बोध हो, उसे अपादान कारक कहते हैं,
जैसे:— खूँटी से क़मीज़ गिर गई।
पेड़ से फल गिरते हैं।
अपादान कारक का परसर्ग 'से' है।
ध्यान दीजिए 'से' परसर्ग जब अलगाव का बोध कराता है तब संज्ञा या सर्वनाम अपादान कारक होता है। लेकिन, 'से' जब काम के साधन का बोध कराए, तब संज्ञा या सर्वनाम करण कारक होता है,
जैसे:— उसने हाथ से सिर खुजलाया। (करण कारक)
हाथ से गिलास छूटा। (अपादान कारक)

बच्चों, आज के लिए इतना ही, शेष अगली कक्षा में।

गृहकार्य :—

बच्चों, पेज नं-44 में दिए गए अभ्यास का प्रश्न संख्या—1 को हल करें।